Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

मैं तो उन सन्तो का दास
मैं तो उन सन्तो का दास, जिन्होनें मन मार लिया।
मैं तो उन सन्तो का दास . . .

मन मारा तन वश किया, सभी भरम भय□दूर।
बाहर स□कछु दीसत नाही□ अन्दर बरस□नूर॥
मैं तो उन सन्तो का दास . . .

आपा मार जगत मैं बठ□ नही□किसी स□काम।
उनमें तो कछु अन्तर नाही□ सन्त कहो चाह□राम॥
मैं तो उन सन्तो का दास . . .

प्याला पी लिया नाम का छोड़ जगत का मोह।
हमको सतगुरु ऐस□मिल गय□ सहज मुक्ति गई होय॥
मैं तो उन सन्तो का दास . . .

नरसी जी क□ सतगुरु स्वामी, दिया अमिरस प्याय।
एक बून्द सागर में मिल गई, कहा कर□यमराय॥
मैं तो उन सन्तो का दास . . .